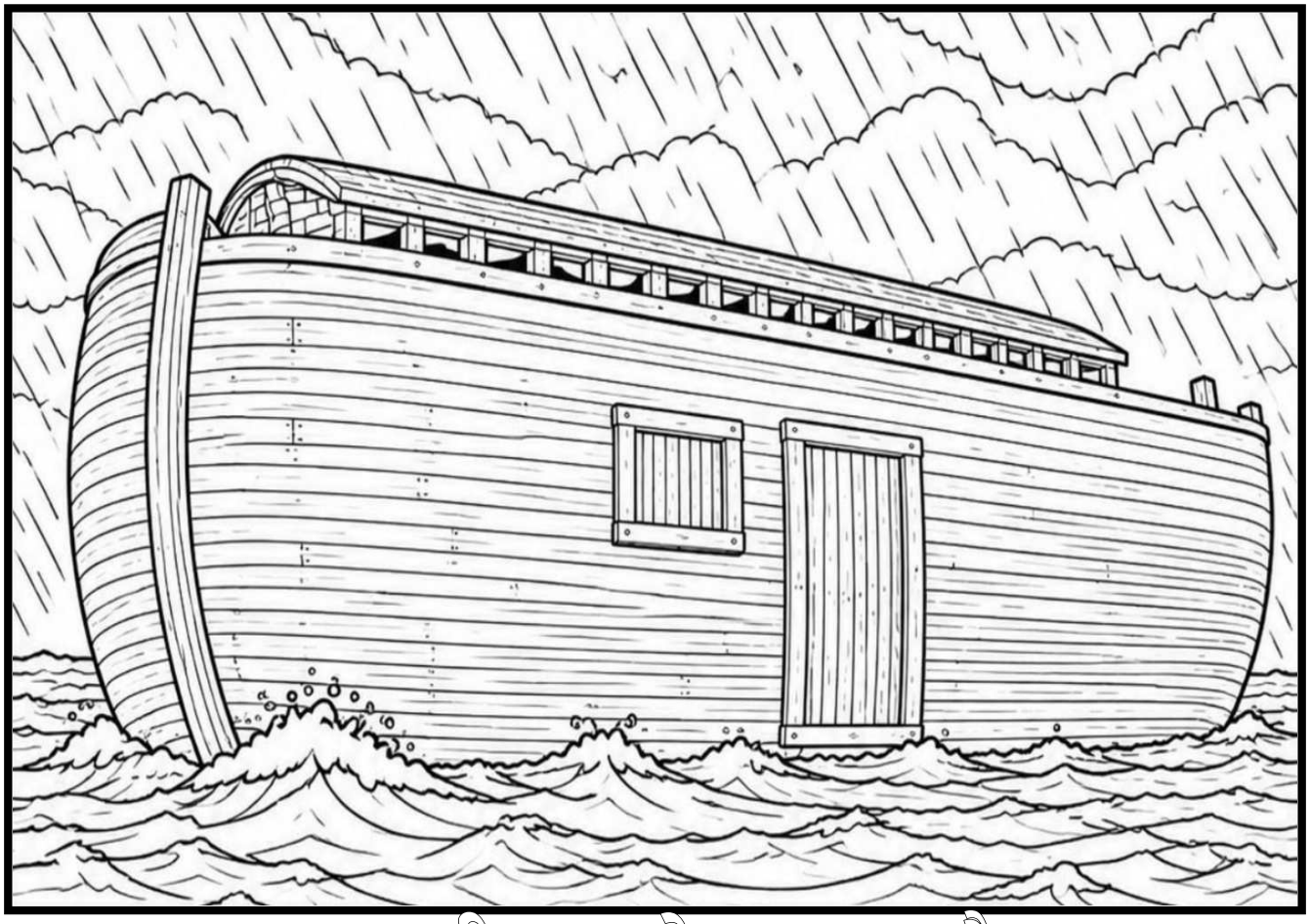
जलप्रलय



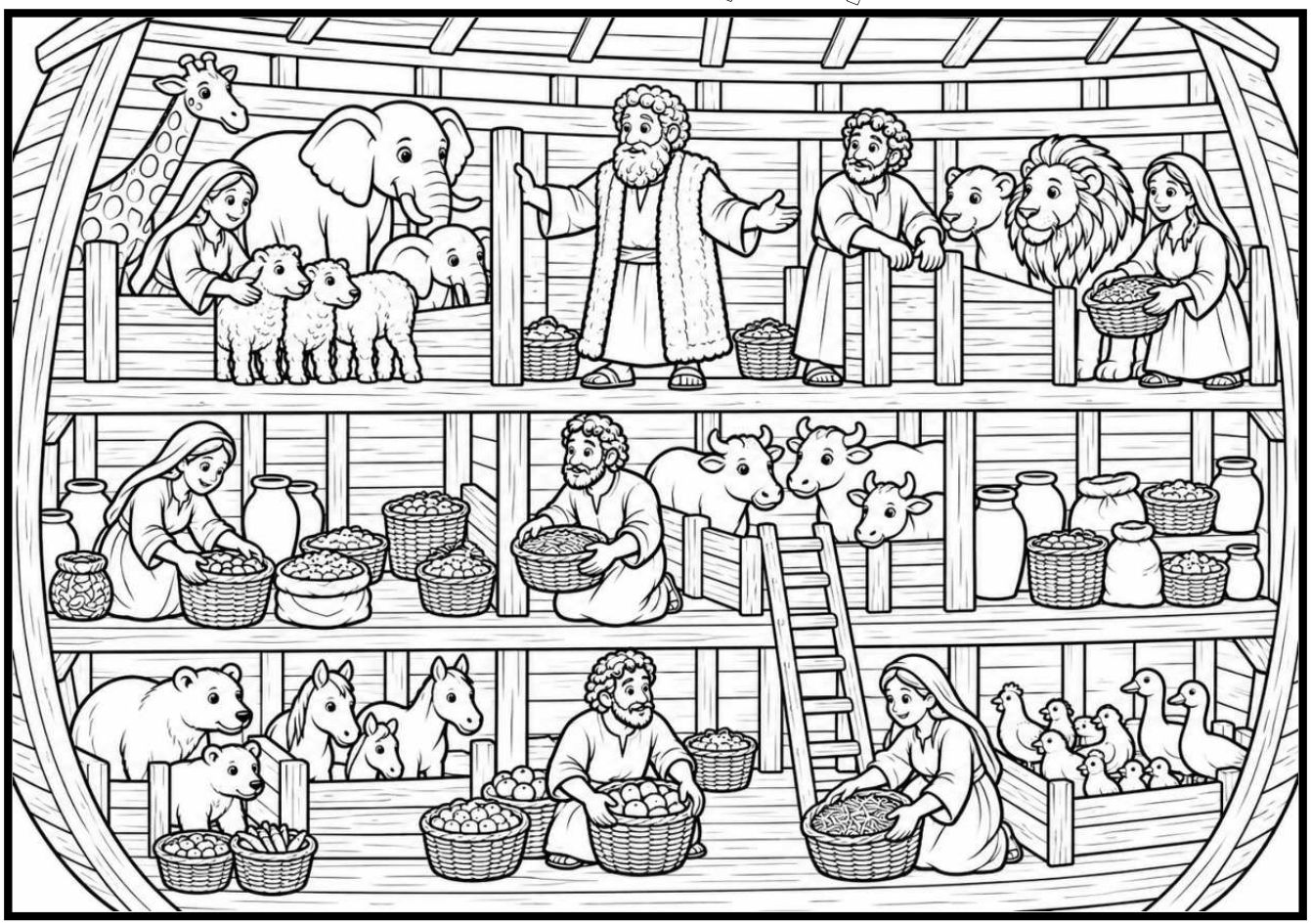
अब भीतर जाने का समय है



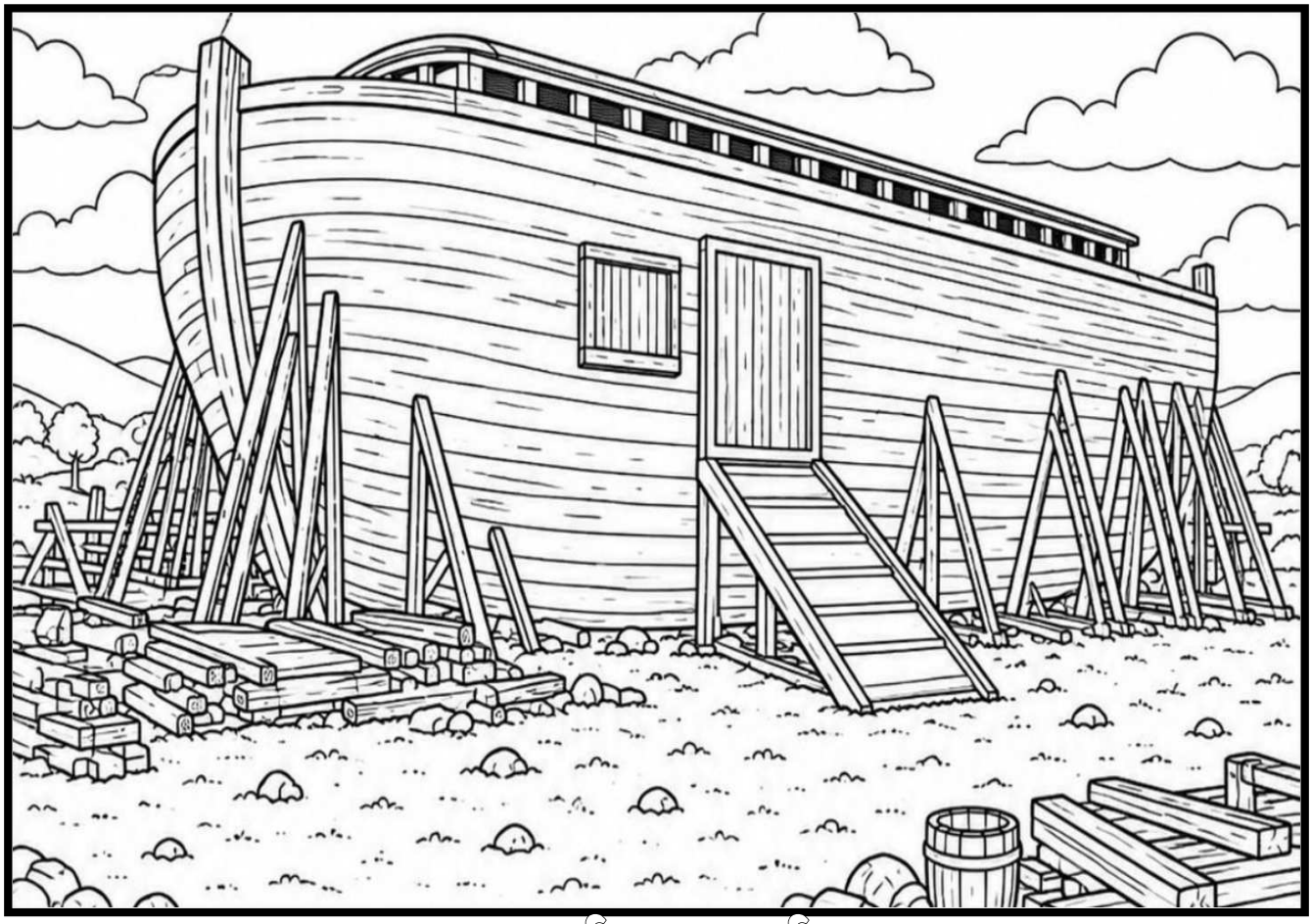
पशु पास आए



सब तैयार हो गए



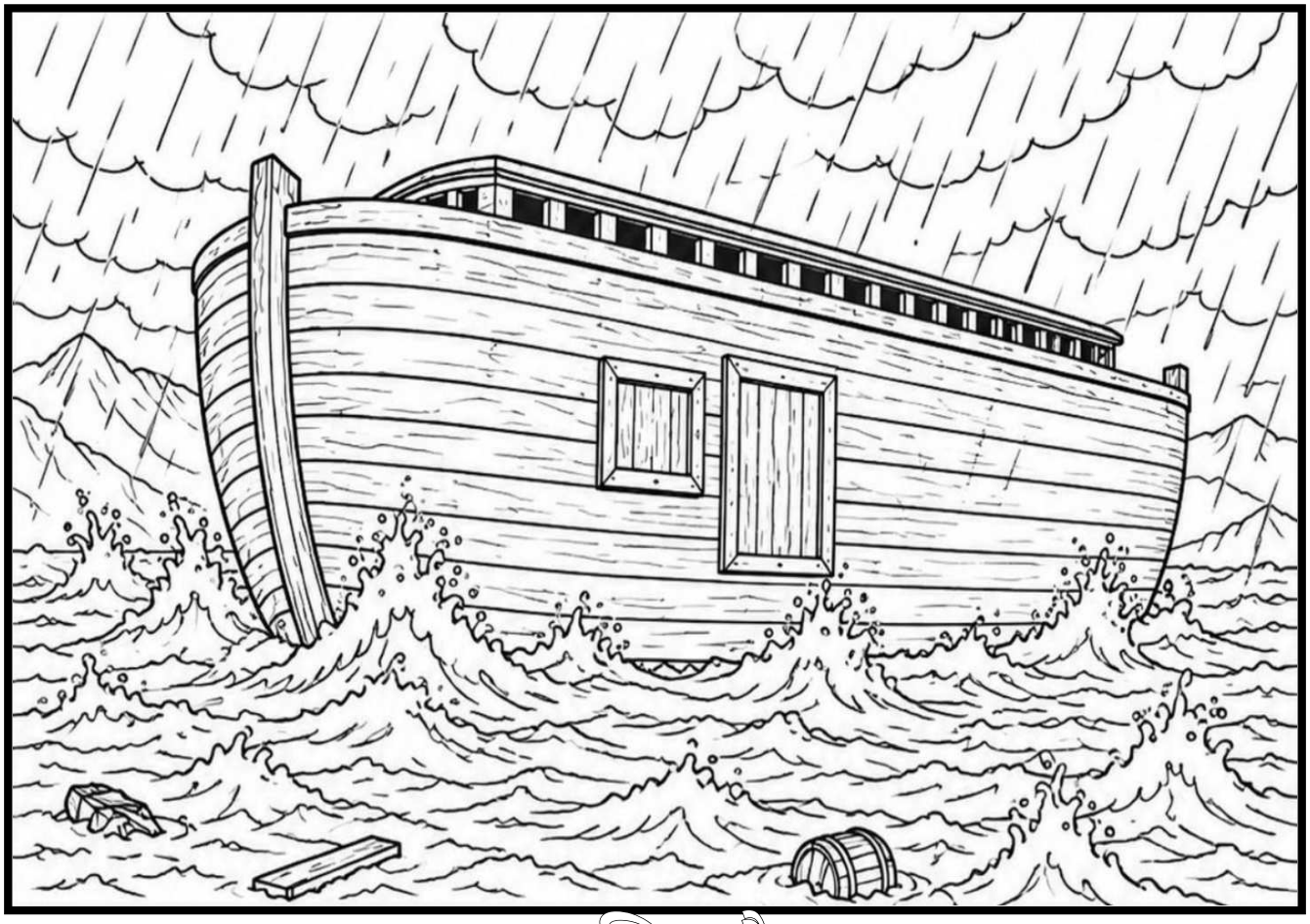
परमेश्वर ने द्वार बन्द किया



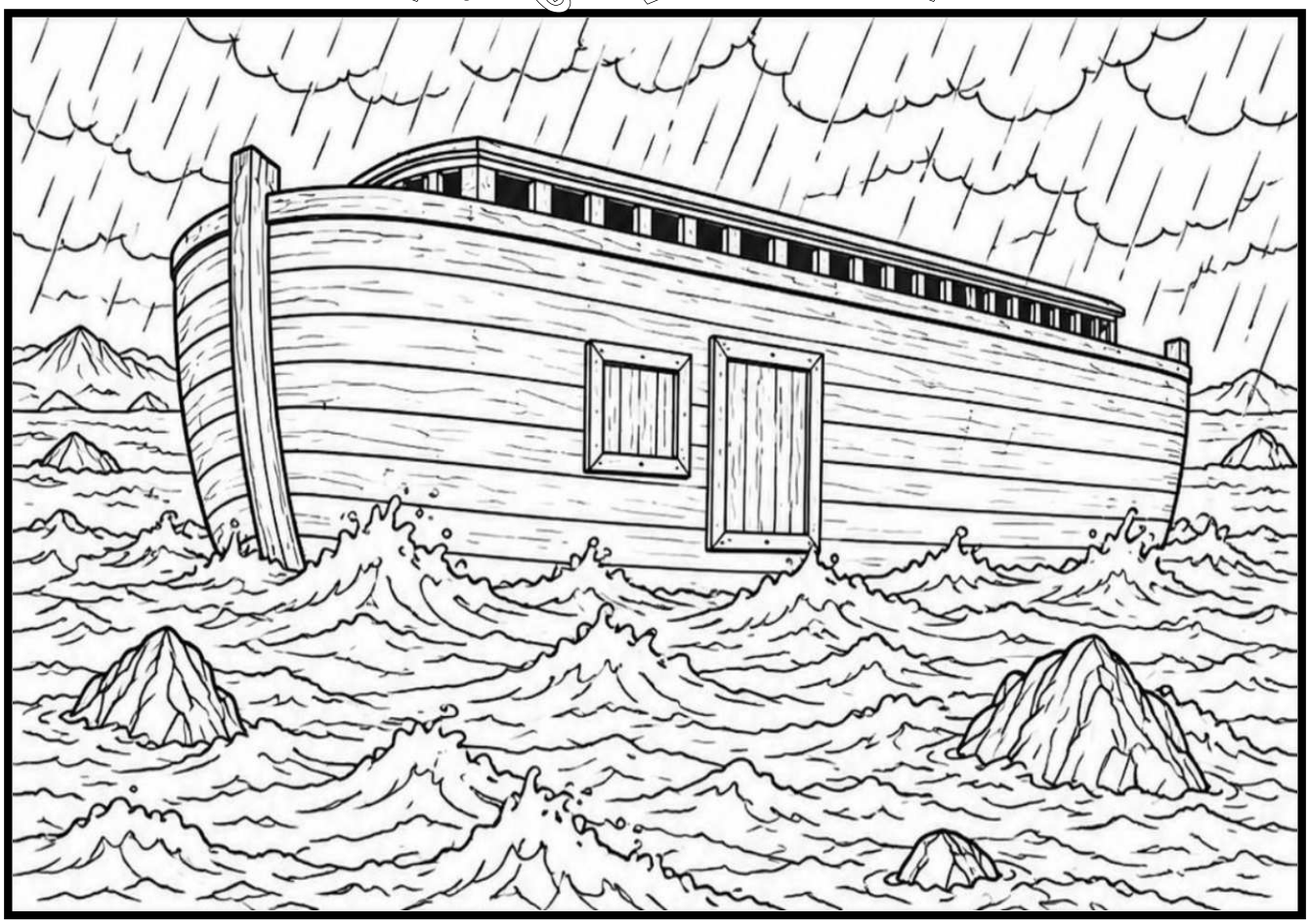
वर्षा शुरू हुई



जल ने जहाज़ को उठा लिया



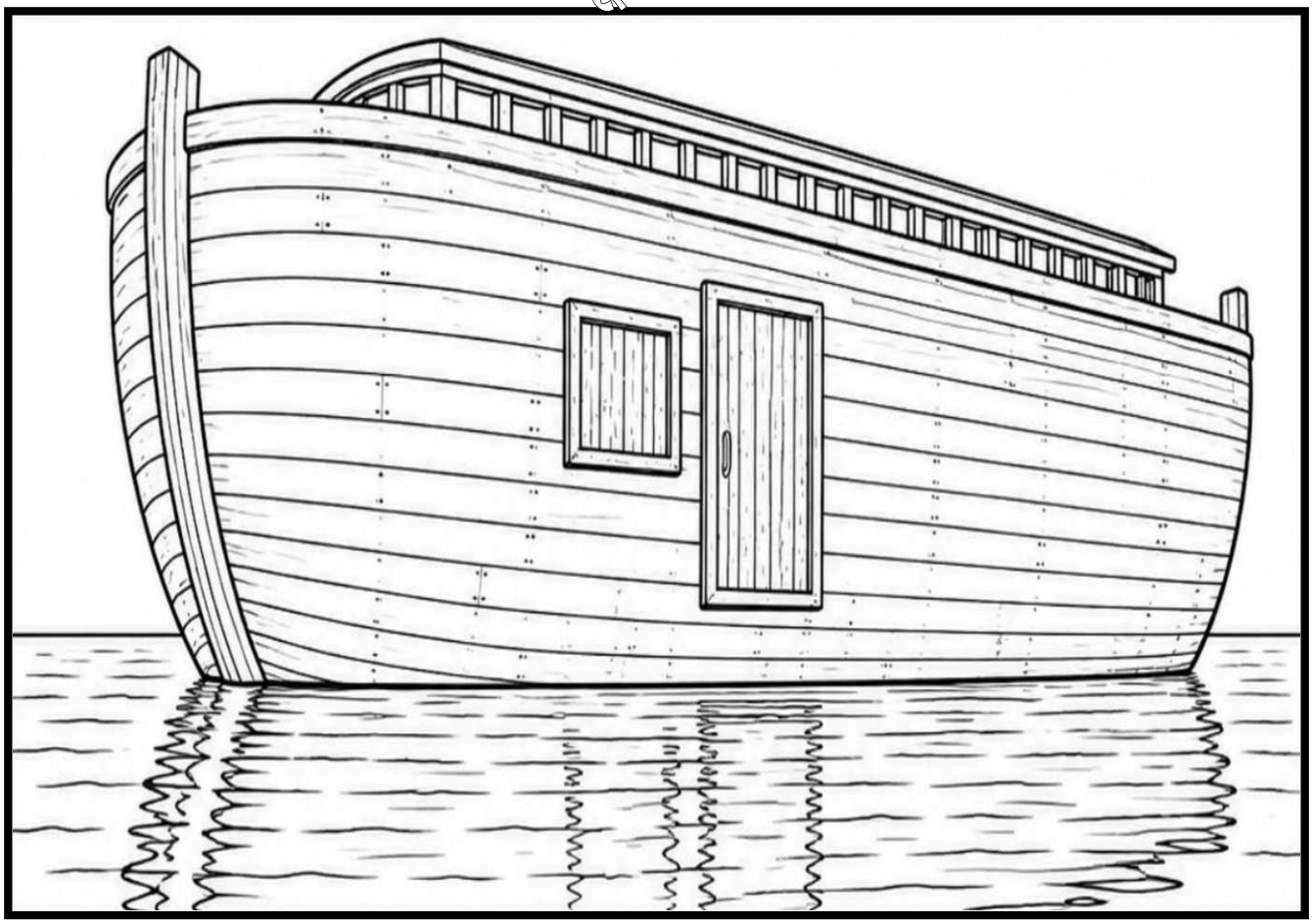
जहाज़ सुरक्षित तैरता रहा



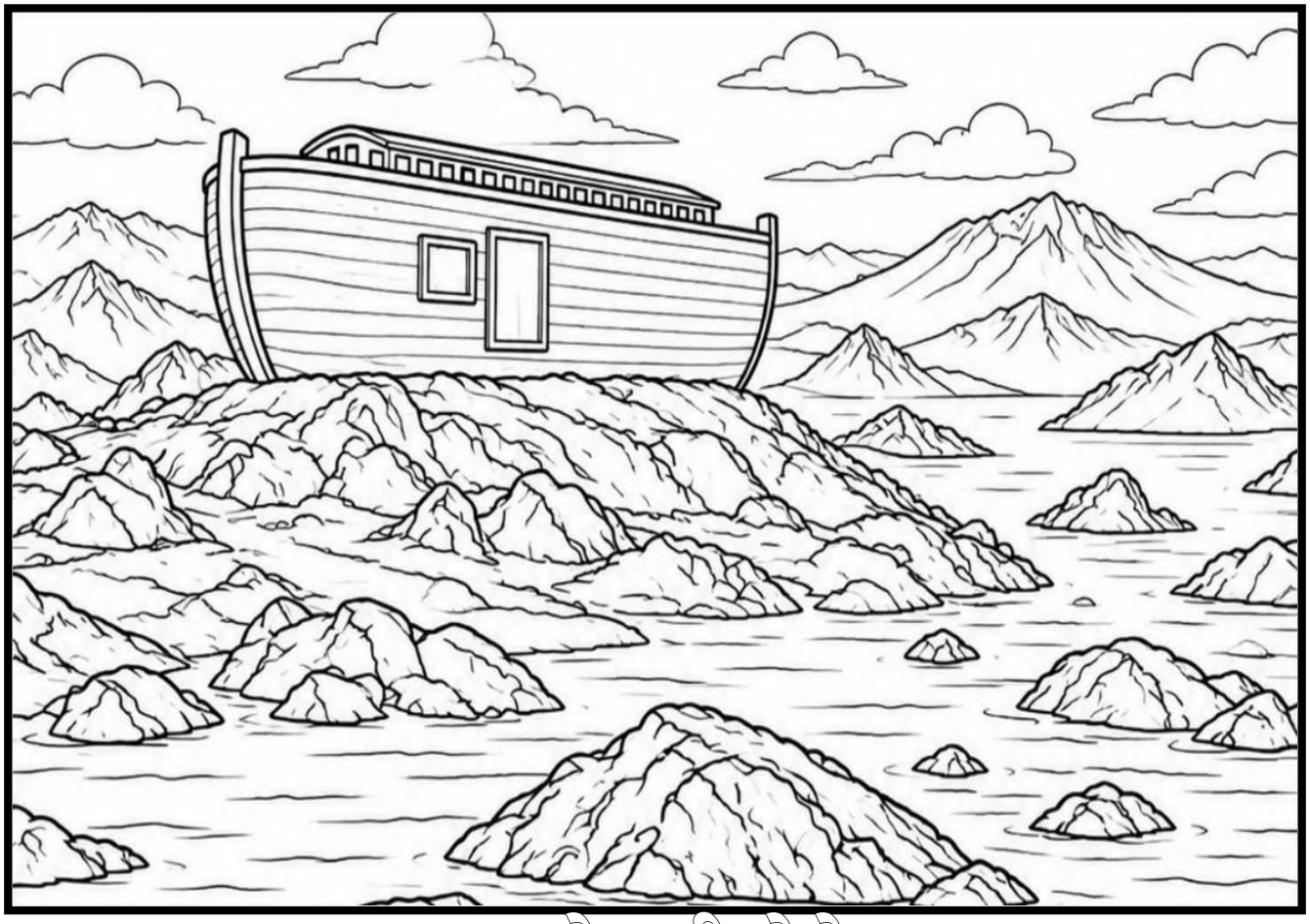
जहाज़ के भीतर बहुत दिन



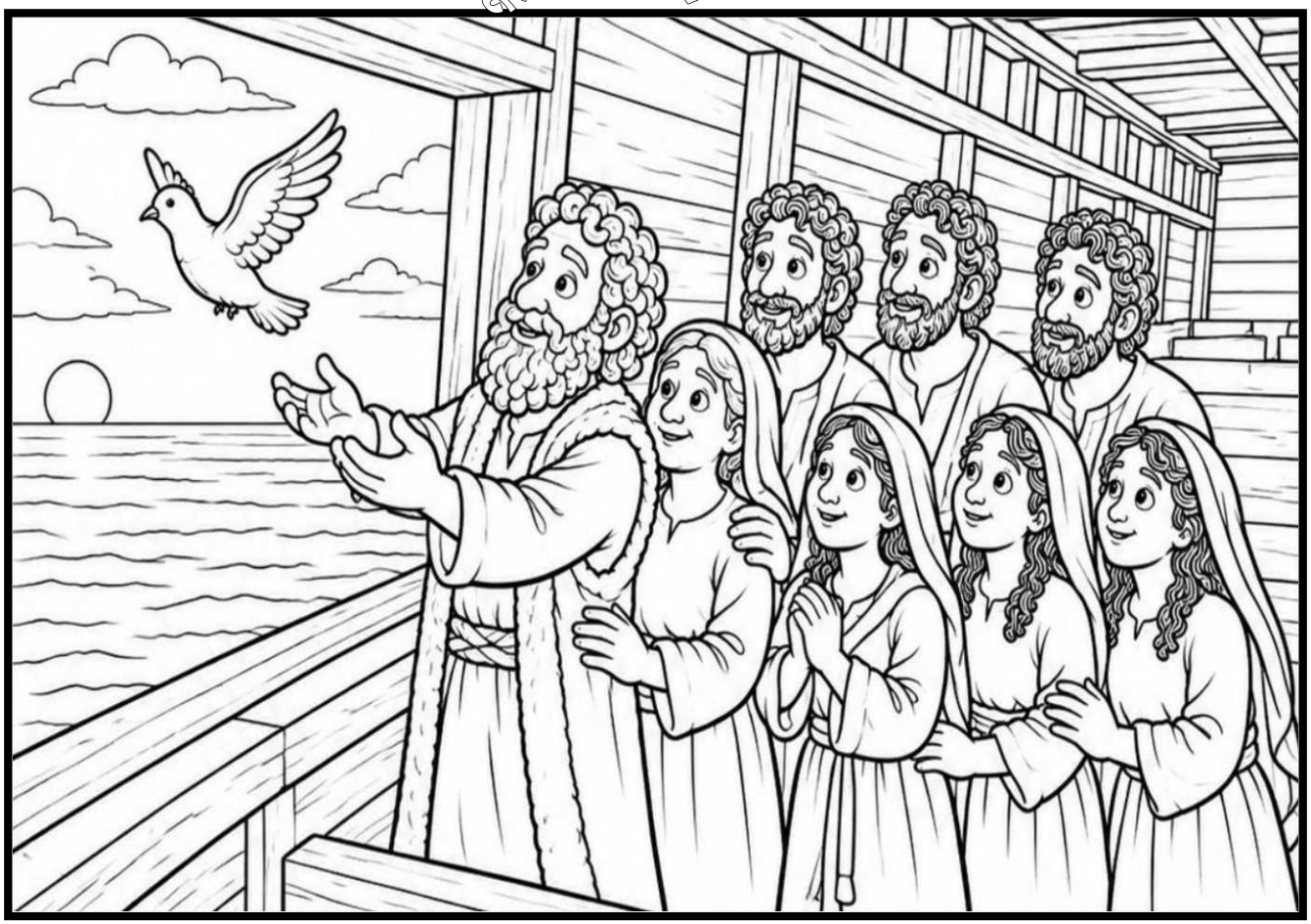
परमेश्वर ने नूह को याद किया



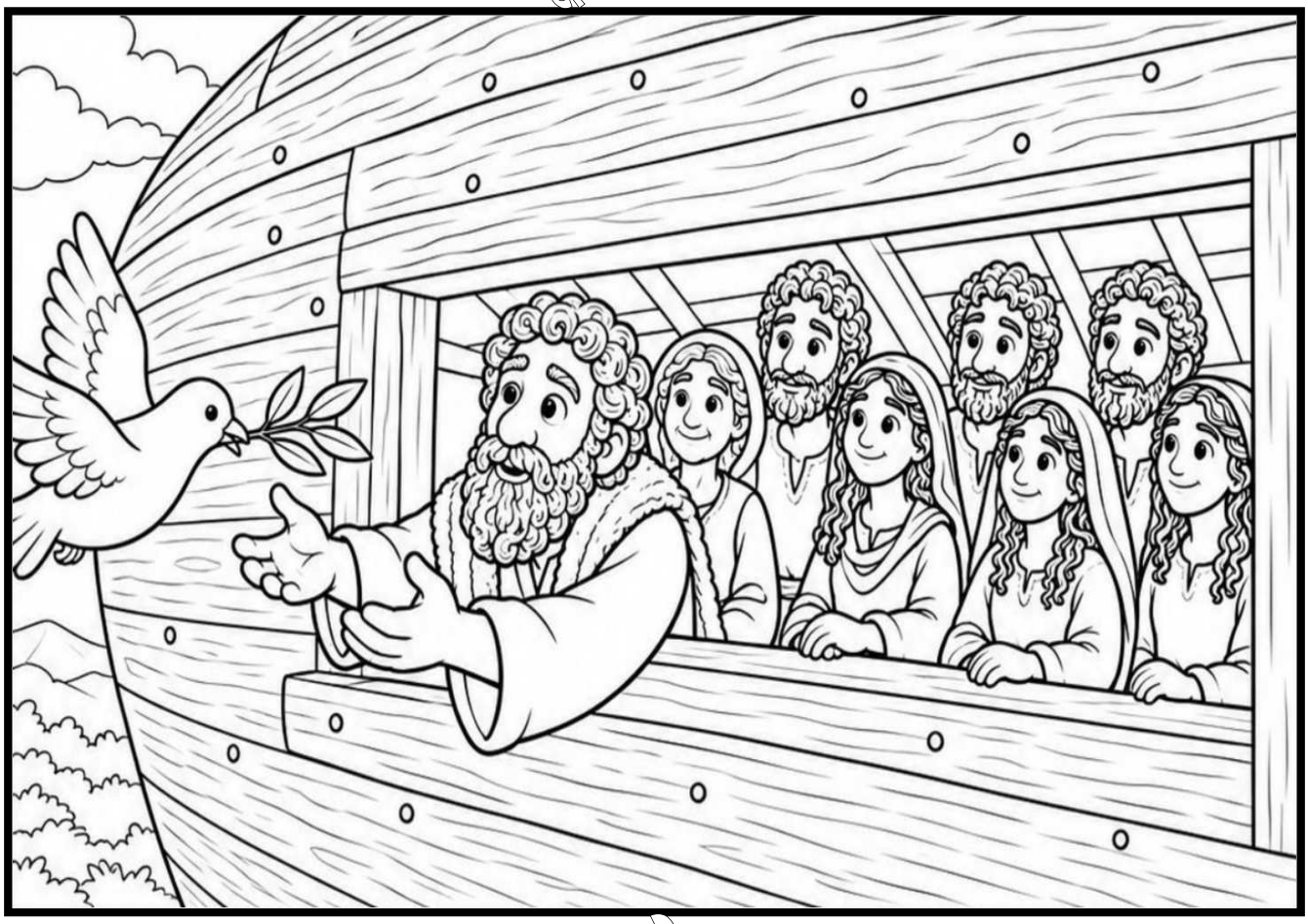
जहाज़ अरारात पर ठहरा



नूह ने पक्षी भेजे



जैतून का पत्ता



सब जहाज़ से बाहर आए

